बच्चों और युवाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस

24 /04 / 22

#IDCY22
#1Life1World1God

सप्ताहांत योजना विचार

शुक्रवार • एक जीवन

सुझाया गया कार्यक्रम

विषय गान

हे यहोवा, तू ने मुझे अपने हाथों से उत्पन्न किया है।
तेरे प्रेम से मुझे भरपूर जीवन मिला है।
मैं अब पाप और मृत्यु की जंजीरों में नहीं रहता।
हे यहोवा, तू ने मुझे स्वतंत्र किया, हे यहोवा, तू ने मुझे स्वतंत्र किया है,

केवल आप में ही स्वतंत्रता है।
मेरे पास आप में अनन्त जीवन है।

हम आपके नाम की स्तुति करने के लिए आनन्द मनाते हैं और नृत्य करते हैं
आपके अद्भुत प्यार के लिए।
तूफानों में भी मैं आपके लिए गाऊंगा
आपके अद्भुत प्रेम के लिए, यीशु!

जब मैं तिरस्कृत और अस्वीकृत महसूस करता हूँ,
तेरी प्रेममयी भुजाएँ मुझे घेर लेती हैं, मैं सुरक्षित हूँ।
मैं जानता हूँ , मेरे परमेश्वर, आप हमेशा मुझे प्यार करेंगे
और मैं आपको प्यार करता हूँ, और मैं आपको प्यार करता हूँ।r.

विषय का परिचय – एकालाप 1 – एक जीवन – मैं कौन हूँ?

[रंगीन कोट पहने युवक]

हैलो, मैं यूसुफ हूं, मैं 17 साल का हूं।

मैं अपने सब भाइयों समेत भेड़ों की देखभाल करता हूं। खैर, सौतेले भाइयों के साथ।

[बोलते हुए जैसे कि चुपके से, फुसफुसाते हुए] मैं अपने पिता को भी सब कुछ बताता हूं जो वे करते हैं, हालांकि मुझे नहीं लगता कि उन्हें यह पसंद है, हा हा। [घबराकर हंसता है]

[कोट की ओर इशारा करते हुए] मेरा कोट, क्या आपको यह पसंद है? यह मेरे लिए मेरे पिता ने बनाया था, मुझे लगता है कि वह मुझे मेरे भाइयों से ज्यादा प्यार करते हैं। मुझे अपने पिता से बहुत प्यार महसूस होता है। [मुस्कान] वह मुझे विशेष महसूस कराते है।

लेकिन साथ ही मैं अकेला महसूस करता हूं। मेरे भाई मुझे पसंद नहीं करते; वे मुझसे बात भी नहीं करते। [उदास दिखता है]

[ख़ामोशी, शरमाते हुए अपने कोट को उठाते हुए]

मुझे उन पलों से नफरत है। आप देखिए, कभी-कभी मैं उनके जैसा बनना चाहता हूं। लेकिन दूसरी ओर, मुझे पता है कि मैं अद्वितीय हूं। मेरे पिता के साथ मेरा एक अलग रिश्ता है। और मेरे पास उनके मुकाबले अन्य गुण हैं। तुम देखो, मेरे पास ये सपने हैं। वे आते रहते हैं। एक दिन मैंने उन्हें अपने एक सपने के बारे में बताया, और वे बहुत क्रोधित हुए!

हो सकता है कि अगर मैं चुप रहता और उन्हें यह नहीं बताता कि मैं क्या सोचता हूं या सपने देखता हूं, तो वे मुझे थोड़ा और प्यार करेंगे। मेरे पिता का प्यार महान है, लेकिन कभी-कभी मैं अपने भाइयों से भी प्यार करना चाहता हूं। भविष्य में हो सकता है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं? कोई ऐसा व्यक्ति बनना जिसकी वे प्रशंसा करें? वह एक सपना होगा!

बाइबिल के हिस्से पर मनन

सामग्री:

- बाइबिल
- पोस्ट - इट नोट्स
- पेंसिल

गतिविधि

बच्चों और किशोरों को ये आयत दें:

तब परमेश्वर ने जो कुछ बनाया था सब को देखा, तो क्या देखा, कि वह बहुत ही अच्छा है।'

(उत्पत्ति 1:31 एनआईवी)

हम में से प्रत्येक एक मूल रूप है।'

(गलातियों 5:26 एमएसजी)

मैं तेरा धन्यवाद करूँगा, इसलिये कि मैं भयानक और अद्भुत रीति से रचा गया हूँ; तेरे काम तो आश्चर्य के हैं,और मैं इसे भली भाँति जानता हूँ।'

(भजन संहिता 139:14 एनआईवी)

प्रत्येक व्यक्ति को दो पोस्ट-इट नोट्स सौंपें। कागज के प्रत्येक टुकड़े पर उन्हें प्रश्नों पर अपने विचार लिखने चाहिए:

- क्या कोई वाक्यांश, वाक्य या शब्द आपके लिए विशिष्ट है? धीरे धीरे से इसे अपने आप दोहराना शुरू करें, जिससे यह आपको गहराई से छू सके।
- जब आप गद्यांश को दूसरी बार पढ़ते हैं, तब चिंतन करें। ध्यान दें कि आपके भीतर क्या विचार, भावनाएँ और प्रतिबिंब उठते हैं। पवित्रशास्त्र के द्वारा परमेश्वर आपसे क्या माँग कर रहा है?

इस गतिविधि के लिए कुछ मिनटों का समय दें, ताकि प्रत्येक व्यक्ति सोच विचार कर सके और लिख सके। प्रार्थना से समाप्त करें।

स्वनात्मक बाइबल पठन - विभिन्न बच्चों और युवाओं द्वारा

उत्पत्ति 1:26-31; उत्पत्ति 2:16-17; उत्पत्ति 3:4-5; रोमियों 5:12,15; गलातियों 5:1; यशायाह 43:1

पाठक 1: परमेश्वर ने कहा: आओ हम मनुष्य को अपनी स्वरूप में बनाएं,
पाठक 2: कि वे हमारे स्वभाव को दर्शा सकें।
पाठक 3: तो, परमेश्वर ने मानवजाति को अपने स्वरूप में बनाया, परमेश्वर के स्वरूप में उसने उन्हें बनाया; नर और नारी उसने उन्हें बनाया।
सभी: और परमेश्वर ने उन्हें आशीषित किया,
पाठक 1: परमेश्वर ने वह सब देखा जो उसने बनाया था;
पाठक 2: यह अच्छा था,
सभी: बहुत अच्छा!
पाठक 3: और यहोवा परमेश्वर ने उन से कहा:
पाठक 1: बाटिका के जितने वृक्ष हैं उन सभी में से तुम खा सकते हो,
पाठक 2: लेकिन इसमें से नहीं, (आप एक पेड़ की तस्वीर को चिन्हित या दिखा सकते हैं)
पाठक 3: क्योंकि जिस दिन तुम उसमें से खाओगे, उसी दिन तुम निश्चय मरोगे।
सभी: तुम मर जाओगे!
पाठक 1: तुम नहीं मरोगे। तुम उसके समान हो जाओगे।
पाठक 2: तुम मर जाओगे!
सभी: (चुपचाप खड़े हो जाओ)
पाठक 3: तुम कहाँ हो?
पाठक 1: तुमने ये क्या कर दिया?
पाठक 2: एक मनुष्य के, पाप के लिए,
पाठक 3: पाप के लिए, मृत्यु।
पाठक 1: एक मनुष्य के , जीवन के लिए,
पाठक 2: एक स्वतंत्र जीवन, एक महान पूर्ण जीवन।
सभी : यीशु मसीह, परमेश्वर का पुत्र।
पाठक 2: अब हम स्वतंत्र हैं।
सभी : स्वतंत्र!
पाठक 3: कोई और गुलामी नहीं।
सभी : स्वतंत्र!
पाठक 1: अब हम ईश्वर की संतान हैं।
पाठक 2: क्योंकि मैंने तुम्हें छुड़ा लिया है।
पाठक 3: मैंने तुम्हें नाम लेकर बुलाया है।
सभी: तुम मेरे हो।

गीत

सुझाए गए गीतों की सूची में से कोई गीत चुनें या कोई अन्य गीत जो आपको लगता है कि आपकी सेटिंग के अनुसार उपयुक्त है।

दर्पण गतिविधि - गवाही गतिविधि [1]

सामग्री:

- दर्पण
- कागज की शीट्स
- पेंसिल

बैठक से पहले, प्रत्येक व्यक्ति को एक छोटा दर्पण लाने के लिए कहें। उन्हें पेंसिल और कागज की एक शीट दें। यदि मीटिंग ऑनलाइन है, तो उनसे इन सामग्रियों को तैयार करने के लिए कहें।

उन्हें आईने के सामने खड़े होने के लिए आमंत्रित करें।

कहें : *सुबह ज्यादातर लोग शीशे के पास जाते हैं यह देखने के लिए कि वे अच्छे दिखते हैं या नहीं। मैं आपको ऐसा करने के लिए नहीं कहूंगा, लेकिन मैं आपको कागज के टुकड़े और एक पेंसिल के साथ दर्पण में जाने के लिए कहूंगा, अपने आप को 60 सेकंड के लिए देखें, ईमानदारी से अपने आप का विश्लेषण करें, कागज को चार भागों में विभाजित करें और निम्नलिखित प्रश्नों पर अपने उत्तर लिखें।*

आईने में व्यक्ति के चरित्र में आपको क्या सुंदर लगता है?	आईने में व्यक्ति के चरित्र में आपको क्या सुंदर नहीं लगता है?
परमेश्वर क्या देखता है जब वह आईने में मौजूद व्यक्ति को देखता है?	अन्य तीन खंडों में जो बातें आपने लिखी हैं, उनके लिए और उन पर प्रार्थना करें। आईने में मौजूद व्यक्ति के लिए प्रार्थना करें।

उन प्रार्थनाओं और वचनबद्धता के बारे में गवाही देने के लिए समय दें जो प्रत्येक ने की हैं।

गीत

सुझाए गए गीतों की सूची में से कोई गीत चुनें या कोई अन्य गीत जो आपको लगता है कि आपकी सेटिंग के अनुसार उपयुक्त है।

[1] यह गतिविधि आमने सामने या ऑनलाइन हो सकती है।

संदेश भाग 1 - एक जीवन

परिचय

यह कहानी आपके और मेरे बारे में है। यह उन लोगों के बारे में है जो जानते हैं कि प्रशंसा प्राप्त करना क्या है। यह उन लोगों के बारे में एक कहानी है जो जानते हैं कि अस्वीकृत हो जाना क्या है। यह उन लोगों के बारे में है जिनके पास स्वपन हैं। यह उन लोगों के बारे में है जिनके पास बुरे स्वपन हैं। यह उन लोगों के बारे में है जो निचले स्तर पर हैं और जो लोग उठ खड़े होते हैं।

यह कहानी आपके, मेरे और यूसुफ के बारे में है, जो उत्पत्ति के सबसे उल्लेखनीय पात्रों में से एक है। उसकी दुनिया में उसे पिता द्वारा प्यार किया जाना लेकिन उसके भाइयों द्वारा नफरत और ईर्ष्या करना शामिल था। उसे उसके भाइयों ने उसके देश में छोड़ दिया था, लेकिन एक विदेशी दुनिया में एक अजनबी द्वारा उसका स्वागत भी किया गया था। उसे एक गुलाम के रूप में बेच दिया गया और कैद कर लिया गया, लेकिन एक देश पर शासन करने के लिए स्वतंत्र भी कर दिया गया। और इन तमाम

एक जीवन

यह कोई संयोग नहीं है कि बाइबल सृष्टि की कहानी से शुरू होती है। बेशक, हम मनुष्य के रूप में जानना चाहते हैं कि हम कहाँ से आए हैं। हमारी जड़ें क्या हैं? उत्पत्ति हमें स्पष्ट रूप से दिखाती है कि हम परमेश्वर के कारण अस्तित्व में आए हैं। वह कारण है कि हम मौजूद हैं। और वह हमारे अस्तित्व में प्रसन्न है! वह हमारी रचना के बारे में तारीफों से भरा है।

उत्पत्ति की पुस्तक में बाइबल हमें परमेश्वर के विचार और उसकी सिद्ध सृष्टि के निष्कर्ष के बारे में बताती है, और इसे सरल शब्दों में सारांशित करती है:

'परमेश्वर ने जो कुछ बनाया था वह सब देखा, और वह बहुत अच्छा था।'

(उत्पत्ति 1:31 एनआईवी)

तो आप कौन हैं? आप परमेश्वर द्वारा बनाए गए एक प्राणी हैं। आप उसका मूल रूप, उसकी उत्कृष्ट रचना हैं! अगर हम खुद को देखें तो हम केवल आश्चर्य कर सकते हैं। हम अद्वितीय हैं! हम सभी परमेश्वर से प्यार करते हैं और जाने जाते हैं। तो, सब कुछ अच्छा है, है ना? असल में ऐसा नहीं है। यूसुफ को ही देखिए।

यूसुफ याकूब का प्रिय पुत्र था। वह अपने पिता से इतना प्यार करता था कि उसके पिता ने उसके लिए एक विशेष कोट खरीदा। लेकिन यह एक कीमत के साथ आया: उसके भाई उससे नफरत करते थे। और ऊपर से, यूसुफ ने अपने विशेष सपनों को उनके साथ साझा किया। इसलिए, उसके भाई उससे और भी अधिक नफरत करते थे और मज़ाक में उसे 'स्वपन गुरू' (उत्पत्ति 37:19 गॉड्स वर्ड ट्रांसलेशन) कहते थे।

मुझे आश्चर्य है कि क्या यूसुफ इन गतिविधियों से अवगत था। और क्या वह अपने दर्शन की शक्ति से अवगत था? यह उसकी एक ताकत थी, लेकिन यह एक कमजोरी भी हो सकती थी, जैसे कि वह सिर्फ अपने सपने के बारे में बात नहीं कर रहा था, बल्कि डींग मार रहा था और घमंडी था। वह जानता था कि एक ही समय में प्यार महसूस करना और तिरस्कृत महसूस करने का क्या मतलब है; एक ही समय में विशेष महसूस करना और छोड़ दिया जाना। चरम सीमाओं का मिश्रण और यूसुफ ने यह सब अनुभव किया।

मुझे आश्चर्य है कि आपकी दुनिया कैसी दिखती है। क्या आप प्यार किया हुआ महसूस करते हैं? क्या आप अद्वितीय महसूस करते हैं? क्या आपको नफरत महसूस होती है? क्या आप छोड़ा हुआ महसूस करते हैं?

हम आपको निम्नलिखित गवाही पढ़ने के लिए आमंत्रित करते हैं:

मैं कैसा महसूस करता हूँ और कैसे व्यवहार करता हूँ यह एक सेकंड से दूसरे सेकंड में बदल जाता है। कभी-कभी मैं अधिक मिलनसार और मुस्कुराता हूं, और कभी-कभी मैं खुद को खड़ा भी नहीं कर पाता। मैं अपने परिवार के साथ बुरा व्यवहार करता हूं, तब मुझे इसका एहसास होता है और मुझे थोड़ा बुरा लगता है। लेकिन मुझे लगता है कि वे मुझे नहीं समझते। खैर, कभी-कभी मैं खुद को भी नहीं समझता।

इसलिए मुझे अकेले रहना और कंप्यूटर या मोबाइल फोन पर खेलना पसंद है, वहां चीजें आसान हैं। अगर मैं जीतता हूं तो मैं जीतता हूं और अगर मैं हारता हूं तो मैं हार जाता हूं। कुछ नहीं होता और मैं फिर से शुरू करता हूं। इसके अलावा, मैं खेलने में अच्छा हूं, मैं बेहतर और बेहतर होता जाता हूं, मैं आगे बढ़ता हूं, मुझे अंक मिलते हैं, मैं बेहतर हथियार खरीदता हूं और कुछ लोगों के साथ अपना जीवन ऑनलाइन साझा करता हूं। मै आनन्दित होता हूँ। यह मुझे अच्छा महसूस कराता है और मैं अकेला, गुस्सा या किसी के द्वारा न्याय किया हुआ महसूस नहीं करता।

जब मैं खेलता हूं तो कुछ भी नहीं सोचता। मुझे वास्तव में सोचना पसंद नहीं है। जब मैं सोचता हूं, मुझे याद आता है कि घर में पैसा नहीं है और ये मुश्किल है; कि मेरे माता-पिता सिर्फ लड़ते हैं; कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं यहाँ घंटों या पूरे दिनों के लिए अकेला हूँ; कि मेरे पास ऐसे दोस्त नहीं हैं जो वास्तव में जानते हैं कि मैं कौन हूं, मैं क्या सोचता हूं, मुझे क्या पसंद है, मैं किस बारे में सपने देखता हूं, मैं किससे डरता हूं।

मैं यह सोचना पसंद नहीं करता कि मैं क्या अध्ययन करने जा रहा हूँ और भविष्य में मैं क्या करने जा रहा हूँ। यह सब बहुत अनिश्चित है। मैं एक प्रेमिका नहीं होने के बारे में सोचना पसंद नहीं करता और जिस रफ्तार से मैं जा रहा हूं, मेरे पास कभी कोई होगी भी नहीं। मुझे सोचना पसंद नहीं है क्योंकि तब मैं अकेला, डरा हुआ, गुस्सा और उदास महसूस करता हूं।

अगर आप मुझसे पूछें कि क्या मैं दोस्त बनाना चाहता हूं, बाहर जाना और बातचीत करना चाहता हूँ, खेलकूद करना, पहाड़ों पर चढ़ना या समुद्र तट पर जाना, शिविर जाना, खेलना, टहलने जाना, सिनेमा जाना, बेशक मैं चाहूंगा। लेकिन वायरस है और घर में रहना ही बेहतर है। इसके अलावा, मैं बहुत से लोगों को नहीं जानता और अगर मैं उनके साथ बाहर जाता तो भी मुझे नहीं पता होता कि कैसे हाव-भाव रखूं। मुझे डर है कि मैं

बहुत सुंदर या लंबा नहीं हूँ। मैं मजाकिया नहीं हूं और मुझे नहीं पता कि क्या कहना है, खासकर लड़कियों के साथ। चैट करना आसान है, इसलिए वे मुझे नहीं देखते। यह मुझे परेशान करता है जब वे मुझे ऑनलाइन कक्षाओं के लिए कैमरा चालू करने के लिए कहते हैं। मुझे दिखना पसंद नहीं है।

COVID महामारी हमारे लिए बहुत सारी चुनौतियाँ लेकर आई है। पिछले वर्षों की आपकी कहानी काले समय की कहानी हो सकती है। ऐसा समय जब आप अलग-थलग और अकेला महसूस करते हैं। यूसुफ की कहानी में गड्ढे और कैदखाने की तरह। हम यूसुफ की निराशा के बारे में कुछ भी नहीं पढ़ते हैं। क्या ऐसा हो सकता है कि उसे विश्वास हो कि कुआं और जेल उसकी कहानी का अंत नहीं थे? क्या ऐसा हो सकता है कि उसने सपने देखने और आशा रखने की क्षमता नहीं खोई हो?

मैं आपको कुछ सवालों के साथ चुनौती देता हूं:

- आप किसके द्वारा प्यार किया हुआ महसूस करते हैं?
- क्या आप काफी अच्छा महसूस करते हैं?
- आप अपनी कहानी के बारे में क्या मानते हैं?

सुझाए गए गीत

- **स्पेनिश**
  - 'डिओस डे ला क्रिएशन'
  - 'डिओस डी माराविलास'
  - 'डायोस अतुलनीय'
- **अंग्रेज़ी**
  - 'क्रिएशन सॉन्ग'
  - 'अद्भुत परमेश्वर
- **फिल्म जोसेफ, किंग ऑफ ड्रीम्स के गाने जैसे:**
  - 'मोर दैन यू टेक'
  - 'मिरेकल चाइल्ड'
- **अन्य गाने और वीडियो**
  - 'ज्ञात'
  - 'आप कहते हैं'
  - 'दिस इज अमेजिंग ग्रेस'
  - 'आई कैन ओनली इमेजिन'
  - 'आप मिल जाएंगे'

शनिवार • एक विश्व

अपने शहर में महामारी की स्थिति के आधार पर, यदि संभव हो तो समुदाय में गतिविधियों का संचालन करने के लिए इस दिन का उपयोग करें। उद्देश्य हमारे आसपास की दुनिया से जुड़ना है, इसलिए बच्चों और युवाओं की क्षमताओं, कौशल, गुणों और प्रतिभा का उपयोग करके अपने पड़ोस के लोगों से जुड़ें।

यदि आप अपने घर के बाहर गतिविधियाँ कर सकते हैं, तो युवाओं को निम्नलिखित गतिविधियाँ करने के लिए कहें:

विजेता कोरियोग्राफी के साथ फ्लैश मॉब।
प्रश्नोत्तरी खेल और पहेली जैसी गतिशील गतिविधियाँ। (https://kahoot.it/ पर kahoot आज़माएं और
वीडियो और छवियों सहित अपनी खुद की प्रश्नोत्तरी बनाएं।)
मार्च।
ट्रैफिक लाइट पर संदेश (जैसे स्व-निर्मित पोस्टर या यहां तक कि एक 'क्रॉसवॉक संगीत')।
कार्ड पर एक पद्य के साथ पड़ोसियों को (स्व-निर्मित) कुकीज़ या केक सौंपना।
प्रार्थना स्थल, ताकि लोग जा सकें और प्रार्थना कर सकें या कार्ड पर लिखे गए अपने प्रार्थना अनुरोधों को एकत्र कर सकें और उन्हें मंडली को सौंप सकें ताकि वे उन लोगों के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रतिबद्ध हो सकें।

यदि घर के बाहर की गतिविधियाँ संभव नहीं हैं, तो बच्चों और युवाओं को बाइबल की आयतों के साथ पोस्टर बनाने और उन्हें अपनी खिड़कियों पर चिपकाने के लिए आमंत्रित करें।

इन्हीं आयतों को तस्वीरों में बनाया जा सकता है और हैशटैग #TSA1life1world1God के साथ आपके सोशल मीडिया पर अपलोड किया जा सकता है।

इन गतिविधियों को समाप्त करने के लिए, एक समापन बैठक आयोजित करें।

सुझाया गया कार्यक्रम

विषय गान

हे यहोवा, तू ने मुझे अपने हाथों से उत्पन्न किया है।
तेरे प्रेम से मुझे भरपूर जीवन मिला है।
मैं अब पाप और मृत्यु की जंजीरों में नहीं रहता।
हे यहोवा, तू ने मुझे स्वतंत्र किया, हे यहोवा, तू ने मुझे स्वतंत्र किया है,

केवल आप में ही स्वतंत्रता है।
मेरे पास आप में अनन्त जीवन है।

हम आपके नाम की स्तुति करने के लिए आनन्द मनाते हैं और नृत्य करते हैं
आपके अद्भुत प्यार के लिए।
तूफानों में भी मैं आपके लिए गाऊंगा
आपके अद्भुत प्रेम के लिए, यीशु!

जब मैं तिरस्कृत और अस्वीकृत महसूस करता हूँ,
तेरी प्रेममयी भुजाएँ मुझे घेर लेती हैं, मैं सुरक्षित हूँ।
मैं जानता हूँ , मेरे परमेश्वर, आप हमेशा मुझे प्यार करेंगे
और मैं आपको प्यार करता हूँ, और मैं आपको प्यार करता हूँ।r.

विषय का परिचय – एकालाप 2 – एक विश्व - मैं क्या अंतर ला सकता हूं?

हैलो, मैं फिर से आ गया, मैं अब 30 साल का हूं।

मेरे अपने सपने मुझे बहुत अजीब तरीके से मिस्र ले आए। मेरी तस्करी की गई है! कुछ इश्माएलियों ने मुझे चाँदी के 20 टुकड़ों में मोल लिया। उन्होंने मुझे फिरौन के अधिकारियों में से एक पोतीपर नामक व्यक्ति को बेच दिया।

मैंने उसके लिए काम किया और बहुत अच्छा किया। और फिर थी उसकी पत्नी... हर दिन उस औरत ने मुझे मुसीबत में डाला। वह मुझ पर आकर्षित थी! मुझ से कहती थी कि मैं बहुत सुंदर हूं ... मुझे अपने साथ टहलने के लिए कहती थी ... इस तरह की चीजें। मैं बहुत असहज महसूस कर रहा था। एक दिन उसने मुझ पर उसे बहकाने का आरोप लगाया। लेकिन मैंने कुछ नहीं किया! हालाँकि, मेरे स्वामी ने मुझ पर विश्वास नहीं किया। वह गुस्से में था और मुझे जेल भेज दिया। सचमुच अंधेरी जगह। मैं गुस्से में था, उदास था, डर गया था; ये सब हुआ। फिर भी, मैं अपने सपनों को थामे रखना चाहता था। यह अंत नहीं हो सकता!

किसी तरह मैं उस अंधेरी जगह से निकला। वे मुझे पसंद करते थे और मुझे बंदियों की देखभाल का जिम्मा सौंपा गया था।

जब दो अन्य कैदियों को सपने आए, तो मैं उन्हें समझा सका कि उनका क्या मतलब है। इस सब बात ने मुझे फिरौन के पास पहुंचा दिया, उसने खुद सपने देखे थे और मैं समझाने में सक्षम था कि फिरौन के सपनों का क्या मतलब था। उसमें दर्शाया गया था कि भविष्य में क्या होगा। हमारे पास सात साल का भरपूर भोजन और फिर सात साल का अकाल था। इसलिथे फिरौन ने प्रजा को इस अकाल से छुड़ाने के लिए मुझे सारे मिस्र देश का अधिकारी ठहराया।

ईमानदारी से, मैं अभी भी इस परिवर्तन के बारे में उलझन में हूँ। गड्ढे से जेल तक और जेल से महल तक... क्या आप विश्वास कर सकते हैं? मैंने अपना सब कुछ दे दिया, फिरौन ने मेरी क्षमताओं पर ध्यान दिया और मुझे लोगों की सेवा करने के लिए जगह दी। यह एक ऐसा अद्भुत अहसास है: यह जानते हुए कि मेरे पास देने के लिए कुछ है। यह एक सपना नहीं है!

गीत

सुझाए गए गीतों की सूची में से कोई गीत चुनें या कोई अन्य गीत जो आपको लगता है कि आपकी सेटिंग के अनुसार उपयुक्त है।

समूह गतिविधि: अपने गुणों और प्रतिभाओं की खोज करें

'अपने गुणों और प्रतिभाओं की खोज करें' एक गेम बनाएं। शायद आपकी अपनी भाषा में कोई खेल या प्रश्नोत्तरी हो जिसका आप उपयोग कर सकते हैं। आप नीचे दिए गए प्रश्नों का भी उपयोग कर सकते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को इन प्रश्नों का एक मुद्रित संस्करण दें और उन्हें उत्तर देने के लिए कहें। विभिन्न उत्तरों के लिए स्थान है।

1. मुझे वास्तव में क्या पसंद है?

_____

_____

_____

2. मैं किन चीजों में अच्छा हूं?

_____

_____

_____

3. मैं दूसरे लोगों को खुश करने के लिए क्या क्या चीजें करता हूं

_____

_____

_____

4. दूसरों के अनुसार मेरे गुण और प्रतिभाएं क्या हैं? सब से पूछें!

_____

_____

_____

इन सवालों के जवाब देने के लिए सभी को समय दें। साथ ही उन्हें प्रश्न चार के बारे में एक-दूसरे से बात करने का समय दें।

उसके बाद, पड़ोस में जरूरतों के बारे में बात करने के लिए एक समूह के रूप में एक साथ आएं। उन्होंने क्या आवश्यकताएँ देखी हैं? पड़ोस में सबसे कमजोर लोग

कौन हैं? कागज का एक बड़ा टुकड़ा (A3 या A2) लें और सब कुछ लिख लें या एक डिजिटल वर्ड क्लाउड बनाएं (https://www.wordclouds.com) ।

अपने पड़ोस में सबसे बड़ी जरूरतों की पहचान करने का प्रयास करें।

फिर इस छवि को अरस्तू के एक उद्धरण के साथ साझा करें

प्रश्न के साथ समाप्त करें: आप अपने गुणों और प्रतिभाओं के साथ पड़ोस की जरूरतों को कैसे पूरा कर सकते हैं? लोगों को इसे पोस्ट-इट नोट पर लिखने दें और जरूरत के हिसाब से इसे कागज पर चिपका दें।

संदेश भाग 2 – एक विश्व - मैं क्या अंतर ला सकता हूँ?

आप जानते हैं कि सबसे लोकप्रिय बाइबिल आयत क्या है? अनुमान! यह यूहन्ना 3:16 है:

'क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।'

(यूहन्ना 3:16 एनआईवी)

परमेश्वर दुनिया से प्यार करता है! और परमेश्वर इसे इतना प्यार करता है, कि उसने अपने आप को यीशु मसीह में उस संसार के लिए दे दिया। 2000 साल पहले की दुनिया के लिए और आज की दुनिया के लिए भी।

यूसुफ की दुनिया अलग थी, लेकिन साथ ही, बहुत सी चीजें हमारे दिनों की तरह ही थीं। ऐसे लोग थे जिन्होंने उसे प्रोत्साहित किया और प्यार किया, उसके पिता की तरह। और ऐसे लोग भी थे जिन्होंने उसके भाइयों के समान उसे निरुत्साहित और ठुकरा दिया था। ऐसे लोग थे जो उस पर विश्वास करते थे और उसे ज़िम्मेदारियाँ देते थे, जैसे पोतीपर और फिरौन, और ऐसे लोग थे जो मिद्यानी व्यापारियों और पोतीपर की पत्नी की तरह उसे अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करना चाहते थे।

यूसुफ आसानी से अपने भाइयों की ईर्ष्या और दुर्व्यवहार से निरुत्साहित हो सकता था। निर्दोष होने पर जेल भेजकर उसे आसानी से हतोत्साहित किया जा सकता था। अपने सपनों, अपने पिता के प्यार, अपने अनोखे गुणों को भूलना कितना आसान होगा? लेकिन उसने नहीं किया। और इसलिए, जब समय आया, तो वह फर्क कर सकता था! जब वह जेल में था तब वह फिरौन के एक बहुत ही महत्वपूर्ण कर्मचारी को छुड़ाने में सक्षम था। वह फिरौन के सपने की व्याख्या करने में सक्षम था:

'अर्थ [स्वप्न का] वह है जो मैंने पहले कहा था: फिरौन को जो कुछ करने जा रहा है परमेश्वर उसे करने दे रहा है। पूरे मिस्र में सात साल की बहुतायत होने वाली है। परन्तु उनकी एड़ी पर सात वर्ष का अकाल पड़ेगा, और मिस्रियों की बहुतायत का कोई नामो-निशान न रहेगा।'

(उत्पत्ति 41:28-30 एमएसजी)

और वह बहुत से लोगों को अकाल से बचाने में सक्षम था:

'जैसे-जैसे अकाल पूरे देश में और भीषण होता गया, यूसुफ ने भण्डारों को खोल दिया और मिस्रियों को आपातकालीन आपूर्तियाँ बेच दीं। अकाल बहुत बुरा था। जल्द ही पूरी दुनिया यूसुफ से आपूर्ति खरीदने के लिए आ रही थी। अकाल चारों ओर खराब था।'

(उत्पत्ति 41:56-57 एमएसजी)

परमेश्वर के आत्मा ने यूसुफ के द्वारा हर समय कार्य किया। इस आत्मा ने उसे नीचे के काले बादलों के नीचे के जीवन से मुक्त कर दिया। एक नई शक्ति की तरह इसने उसे दुनिया में बहुत बड़ा बदलाव लाने के लिए तैयार और सुसज्जित किया! क्या ऐसा

हो सकता है कि यूसुफ जानता था कि खारिज किया जाना और बचाया जाना, कैद होना और मुक्त होना क्या है? क्या ऐसा हो सकता है कि वह जानता था कि इसके पीछे परमेश्वर का हाथ था और इसलिए वह इस नए, विस्तृत, मुक्त जीवन में रहने में सक्षम था? यह हमें याद दिलाता है कि पौलुस ने क्या लिखा:

'मसीह ने हमें आज़ाद जीवन जीने के लिए आज़ाद किया है। तो अपना पक्ष रखो! फिर कभी किसी को अपने आप पर गुलामी का बंधन न डालने देना।'

(गलातियों 5:1 एमएसजी)

क्या ऐसा हो सकता है कि यूसुफ समझ गया कि वह (गुलामी से), दूसरों को (गुलामी से) बचाने के लिए बचाया गया था?

मैं आपको कुछ सवालों के साथ चुनौती देता हूं:

जब आपने पिछले महीनों में अंधकारमय समय का अनुभव किया तो आपका ध्यान क्या था?
हम एक दुनिया में रहते हैं, लेकिन हम में से प्रत्येक इस दुनिया में एक अलग जगह पर रहता है। आप दूसरों की स्वीकृती का दबाव महसूस कर सकते हैं। आप अपने साथियों, स्कूल या विश्वविद्यालय का दबाव महसूस कर सकते हैं। आप नौकरी खोजने या रखने का दबाव महसूस कर सकते हैं। आप अकेले नही हैं! बस दूसरों और यूसुफ को देखें। परमेश्वर की आत्मा को आपको वह आंतरिक शक्ति प्रदान करने दें जिसकी आपको आवश्यकता है।

आप इस दुनिया में क्या योगदान दे सकते हैं?
हमारी संभावनाएं दुनिया में योगदान करने के लिए हम कहाँ रहते हैं और हमारे व्यक्तिगत जुनून, गुण, कौशल, नेटवर्क और अनुभव पर निर्भर करते हैं। आपका क्या सपना है? आपकी ताकत क्या है? आपका जुनून क्या है? परमेश्वर ने आपको ये एक उद्देश्य के साथ दिया है: एक जरूरतमंद दुनिया को बचाने के लिए परमेश्वर की कहानी का हिस्सा बनने के लिए। तो, कदम बढ़ाओ और कुछ करो, जैसा कि विलियम बूथ ने कहा! हम यीशु में स्वतंत्र लोग हैं और हमारे पास जो कुछ भी है उसके साथ दूसरों की सेवा करने के लिए हमें बुलाया गया है, ताकि उनके पास एक ही स्वतंत्र और विस्तृत जीवन हो, जिसमें प्रत्येक दिन एक नई शक्ति के रूप में परमेश्वर की आत्मा को प्रवाहित किया जाता है।

सुझाए गए गाने

- **स्पेनिश**
  - 'नेसेसिटन डी क्रिस्टो'
  - 'सोलो डियोस पुएदे सलवार'
- **अंग्रेज़ी**
  - 'उन्हें मसीह की आवश्यकता है'
  - 'माइटी टू सेव'
- **फिल्म जोसेफ, किंग ऑफ ड्रीम्स के गाने जैसे:**
  - 'मोर दैन यू टेक'
  - 'मिरेकल चाइल्ड'
- **अन्य गाने और वीडियो**
  - 'हथकड़ी'
  - 'यू विल बी फाउण्ड'
  - 'फ्रीडम'

रविवार • एक ईश्वर

सुझाया गया कार्यक्रम

विषय गान

हे यहोवा, तू ने मुझे अपने हाथों से उत्पन्न किया है।
तेरे प्रेम से मुझे भरपूर जीवन मिला है।
मैं अब पाप और मृत्यु की जंजीरों में नहीं रहता।
हे यहोवा, तू ने मुझे स्वतंत्र किया, हे यहोवा, तू ने मुझे स्वतंत्र किया है,

केवल आप में ही स्वतंत्रता है।
मेरे पास आप में अनन्त जीवन है।

हम आपके नाम की स्तुति करने के लिए आनन्द मनाते हैं और नृत्य करते हैं
आपके अद्‌भुत प्यार के लिए।
तूफानों में भी मैं आपके लिए गाऊंगा
आपके अद्‌भुत प्रेम के लिए, यीशु!

जब मैं तिरस्कृत और अस्वीकृत महसूस करता हूँ,
तेरी प्रेममयी भुजाएँ मुझे घेर लेती हैं, मैं सुरक्षित हूँ।
मैं जानता हूँ , मेरे परमेश्वर, आप हमेशा मुझे प्यार करेंगे
और मैं आपको प्यार करता हूँ, और मैं आपको प्यार करता हूँ।r.

एकालाप 3 – एक ईश्वर – सभी के लिए

हैलो! मै फिर आ गया। मैं अब लगभग 40 साल का हो गया हूं।

[उत्साहित] आप जानते हैं कि आज क्या हुआ? मैं फिर से अपने भाइयों से मिला! वे अन्न लेने के लिए मिस्र आए, क्योंकि हमारे भण्डारों में बहुत अन्न है, और वे कनान देश में भूखे मर रहे थे। सच में, क्या आप सोच सकते हैं कि मुझे कैसा लगा? मैंने इतनी अलग-अलग भावनाओं को कभी महसूस नहीं किया और मैं अपने आँसुओं को बहने से नहीं रोक सका।

तो आज मेरे सामने मेरे भाई खड़े थे। मैं अब लड़का नहीं था। वे भी नहीं थे। हम आदमी बन गए। मैंने उन्हें तुरंत पहचान लिया, हालांकि उन्होंने अपना वजन कम किया और थके हुए लग रहे थे। लेकिन उन्होंने मुझे नहीं पहचाना, इसलिए मैंने उन्हें करीब आने को कहा। धीरे-धीरे वे पास आ गए। मैंने देखा कि रुबेन लंगड़ा कर चल रहा था। वे इतने करीब थे कि मैं उनकी आँखों में देख सकता था। मैंने उनकी निराशा देखी। मैंने उनकी भूख लगभग चख ली थी।

अचानक मुझे कुछ समझ में आया। मैं उनका भाई हूं। हमारा एक ही पिता है। उसका खून हमारी रगों में दौड़ रहा है। यह अजीब है कि मुझे कोई क्रोध, ईर्ष्या या प्रतिशोध महसूस नहीं हुआ। मैं बस उन्हें गले लगाकर पकड़ना चाहता था। फिर से हमारे परिवार का हिस्सा बनें। मैंने यह भी महसूस किया कि इन सबके पीछे ईश्वर का हाथ है। मैं एक बड़ी योजना का हिस्सा था। गड्ढा, यात्रा, पोतीपर का घर, जेल... परमेश्वर हर समय मेरे साथ था। और परमेश्वर ने मुझे मेरे परिवार से आगे भेज दिया, ताकि उनके जीवन को एक असाधारण तरीके से बचाया जा सके।

परमेश्वर ने मुझे कभी नहीं छोड़ा। आखिर यह एक सपने से बढ़कर था!

प्रार्थना के हाथ गतिविधि ((एक ईश्वर)

सामग्री:

- सफेद कपड़ा या कार्डबोर्ड
- साफ करने में आसान, जल्दी सूख वाला पेंट
- मार्कर
- हाथ धोने और सुखाने के लिए पोंछे या पानी और कागज

1. जैसे ही वे बैठक में पहुंचते हैं, प्रतिभागियों को पोस्टर बोर्ड या सफेद कपड़े पर अपने हाथ के निशान लगाने के लिए कहें। पेंट तैयार रखें जिससे प्रतिभागी अपने हाथों के निशान बनाएंगे। पेंट को सूखने के लिए समय दें।

2. प्रार्थना के समय, प्रतिभागियों से एक जीवन, एक विश्व, एक ईश्वर विषय के अनुसार उनके द्वारा बनाई गई हस्तलिपि पर एक प्रार्थना लिखने के लिए कहें।
   - इन प्रार्थनाओं को एक साथ करें। (हाथों के निशान को तब तक गुमनाम रखने का अवसर दें जब तक कि वे इसे सार्वजनिक नहीं करना चाहते।)

यदि बैठक ऑनलाइन है, तो आप प्रतिभागियों से अपने हाथ प्रिंट करने और अपनी प्रार्थना लिखने के लिए कह सकते हैं। जब वे मीटिंग से पहले आपको ये भेजते हैं तो आप उन्हें इवेंट के दौरान स्क्रीन पर साझा कर सकते हैं।

गीत

सुझाए गए गीतों की सूची में से कोई गीत चुनें या कोई अन्य गीत जो आपको लगता है कि आपकी सेटिंग के अनुसार उपयुक्त है।

रचनात्मक बाइबल पठन – विभिन्न बच्चों और युवाओं द्वारा

उत्पत्ति 1:26-31; उत्पत्ति 2:16-17; उत्पत्ति 3:4-5; रोमियों 5:12,15; गलातियों 5:1; यशायाह 43:1

पाठक 1: परमेश्वर ने कहा: आओ हम मनुष्य को अपनी स्वरूप में बनाएं,
पाठक 2: कि वे हमारे स्वभाव को दर्शा सकें।
पाठक 3: तो, परमेश्वर ने मानवजाति को अपने स्वरूप में बनाया, परमेश्वर के स्वरूप में उसने उन्हें बनाया; नर और नारी उसने उन्हें बनाया।
सभी: और परमेश्वर ने उन्हें आशीषित किया,
पाठक 1: परमेश्वर ने वह सब देखा जो उसने बनाया था;
पाठक 2: यह अच्छा था,
सभी: बहुत अच्छा!
पाठक 3: और यहोवा परमेश्वर ने उन से कहा:
पाठक 1: बाटिका के जितने वृक्ष हैं उन सभी में से तुम खा सकते हो,
पाठक 2: लेकिन इसमें से नहीं, (आप एक पेड़ की तस्वीर को चिन्हित या दिखा सकते हैं)
पाठक 3: क्योंकि जिस दिन तुम उसमें से खाओगे, उसी दिन तुम निश्चय मरोगे।
सभी: तुम मर जाओगे!
पाठक 1: तुम नहीं मरोगे। तुम उसके समान हो जाओगे।
पाठक 2: तुम मर जाओगे!
सभी: (चुपचाप खड़े हो जाओ)
पाठक 3: तुम कहाँ हो?
पाठक 1: तुमने ये क्या कर दिया?
पाठक 2: एक मनुष्य के, पाप के लिए,
पाठक 3: पाप के लिए, मृत्यु।
पाठक 1: एक मनुष्य के , जीवन के लिए,
पाठक 2: एक स्वतंत्र जीवन, एक महान पूर्ण जीवन।
सभी : यीशु मसीह, परमेश्वर का पुत्र।
पाठक 2: अब हम स्वतंत्र हैं।
सभी : स्वतंत्र!
पाठक 3: कोई और गुलामी नहीं।
सभी : स्वतंत्र!
पाठक 1: अब हम ईश्वर की संतान हैं।
पाठक 2: क्योंकि मैंने तुम्हें छुड़ा लिया है।
पाठक 3: मैंने तुम्हें नाम लेकर बुलाया है।
सभी: तुम मेरे हो।

गवाहियां और रचनात्मक योगदान

यह क्षण अन्य दिनों के दौरान किए गए कार्यों को साझा करने का अवसर प्रदान करता है। जितना संभव हो उतना रचनात्मक होने के लिए स्वतंत्र महसूस करें।

इश्तिहार और हदिया

संदेश भाग 3 – एक ईश्वर

'एक जीवन' और 'एक विश्व' संदेश के मुख्य अंशों को याद करके शुरू करें।

मैं आपसे एक प्रश्न पूछता हूं: इस सप्ताह आपने कितने सड़क चिन्ह देखे? जाहिर है, हमें उन संकेतों की ज़रूरत है जो हमें याद रखने में मदद करें कि क्या करना है। बाइबल 'चिन्हों' से भरी हुई है जो हमें यह याद रखने में मदद करती है कि हमें क्या सोचना है, क्या विश्वास करना है और क्या कार्य करना है। इस्राएलियों ने एक दूसरे को व्यवस्थाविवरण की तरह सरल शब्दों में याद दिलाया कि केवल एक ही परमेश्वर था:

'इस्राएल, ध्यान दे! परमेश्वर, हमारा परमेश्वर! सिर्फ और सिर्फ एक ही परमेश्वर है!'

(व्यवस्थाविवरण 6:4 एमएसजी)

एक संसार के लिए एक ईश्वर। इस्राएलियों को खुद को एक ईश्वर के बारे में याद दिलाना पड़ता था और हम भी ऐसा ही करते हैं। यह समझना लगभग असंभव है कि इस्राएल का परमेश्वर सारे संसार का परमेश्वर है। अपनी आत्मा के द्वारा परमेश्वर विभिन्न जीवनों और स्थानों में उपस्थित है। क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है?

यूसुफ ने अपना जीवन विभिन्न स्थानों पर बिताया। वह कनान में पैदा हुआ था और उसे मिस्र लाया गया था। मिस्र में उसने पोतीपर के घराने में काम किया। इन आयतों को देखें:

'जब इश्माएलियों द्वारा यूसुफ को मिस्र ले जाया गया, तब पोतीपर एक मिस्री, जो फिरौन के हाकिमों में से एक था और उसके घराने का प्रधान था, उसने उसे उन से मोल लिया। जैसा यह बदलाव हुआ, परमेश्वर यूसुफ के साथ था और उसके साथ सब कुछ बहुत अच्छा हुआ।'

(उत्पत्ति 39:1-2 एमएसजी)

दुर्भाग्य से, पोतीपर की पत्नी की वजह से यूसुफ गलत तरीके से जेल में बंद हो गया, जिसने उस पर उसे बहकाने का आरोप लगाया था।

'यूसुफ के स्वामी ने उसे पकड़ा और उसे जेल में डाल दिया जहां राजा के बंदियों को बंद कर दिया गया था। परन्तु परमेश्वर अब भी बन्दीगृह में यूसुफ के संग था; उस ने उस पर कृपा की; उसने उसे प्रधान जेलर के साथ अच्छी शर्तों पर रखा।'

(उत्पत्ति 39:20-21 एमएसजी)

दो साल बाद यूसुफ को रिहा कर दिया गया और उसने फिरौन के लिए काम करना शुरू कर दिया। जब यूसुफ फिर से अपने भाइयों से मिला, तब उसने महसूस किया कि हर जगह एक ही परमेश्वर उसके साथ है:

'यूसुफ ने अपने भाइयों से कहा: 'मैं यूसुफ हूं। क्या सचमुच मेरे पिता जीवित हैं?" लेकिन उसके भाई एक शब्द भी नहीं कह सके। वे अवाक थे—वे जो सुन और देख रहे थे, उस पर उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था। यूसुफ ने अपने भाइयों से कहा, "मेरे निकट आओ।" वे करीब आ गए। "मैं तुम्हारा भाई यूसुफ हूं, जिसे तुम ने मिस्र को बेच डाला था। लेकिन बुरा मत मानो, मुझे बेचने के लिए अपने आप को दोष मत दो। इसके पीछे परमेश्वर था। परमेश्वर ने मुझे यहाँ तुम्हारे आगे जीवन बचाने के लिए भेजा है।""

(उत्पत्ति 45:3-5 एमएसजी)

जहाँ कहीं यूसुफ गया, परमेश्वर की भलाई उसके पिता, पोतीपर और फिरौन जैसे अन्य लोगों के द्वारा उपस्थित थी। और अजीब तरह से, परमेश्वर भी वहां था जब यूसुफ को उसके भाइयों ने कुएं में फेंक दिया था और इश्माएलियों को बेच दिया था। एक ईश्वर हर जगह है: सभी के लिए उपलब्ध है। एक ईश्वर जो आगे बढ़ता रहता है और सब कुछ बेहतरी के लिए बदल देता है। पीछे मुड़कर देखने पर, यूसुफ ने अपनी यात्रा और अपने जीवन का उद्देश्य देखा। उसे अपने परिवार को बचाने के लिए बुलाया गया था! और कुछ और भी हुआ: उसने अपने भाइयों को क्षमा कर दिया और उन्हें दोषी महसूस करने से मुक्त कर दिया। अब उनमें से हर एक एक ही स्वतंत्र और विशाल जीवन जीने में सक्षम था! एक दोहरा बचाव, मैं कहूंगा।

यह हमारी समझ से परे है कि एक ईश्वर ही सबका ईश्वर है। वह एक महान ईश्वर है, जो अपने आप को सभी के लिए उपलब्ध कराता है: युवा, बूढ़े, अमीर, गरीब, बड़ा या छोटा। वह उन लोगों का परमेश्वर है जिन्हें आप पसंद करते हैं और उन लोगों का परमेश्वर जिन्हें आप इतना पसंद नहीं करते हैं।

कभी-कभी जब आप पीछे मुड़कर देखते हैं तो आपको अपने जीवन में केवल परमेश्वर की उपस्थिति दिखाई देती है। लेकिन आप अपने दैनिक जीवन में यहां और इसी वक्त भी परमेश्वर को देख सकते हैं। मैं आपको इन सवालों के बारे में सोचने की चुनौती देता हूं:

- कौन से लोग मुझे परमेश्वर की भलाई दिखाते हैं?
- मैं कब और कहाँ ईश्वर के सबसे करीब महसूस करता हूँ?

आप ईश्वर की मौलिक रचना हैं। आप चुने गए हैं। आप एक विशाल जीवन जीने के लिए स्वतंत्र हैं। आपको अपने सपनों, गुणों और प्रतिभाओं को दूसरों के साथ साझा

करने के लिए बुलाया गया है, ताकि सभी के पास समान स्वतंत्र, विस्तृत जीवन हो और ईश्वर को अपने पिता के रूप में जान सकें।

सुझाव: लोगों को उनके दैनिक जीवन के लिए एक चुनौती दें। वे अलग तरीके से क्या सोचने, कहने और करने जा रहे हैं? वे परमेश्वर और दूसरों के प्रति किस तरह का समर्पण बना सकते हैं?

विषय गान (एक बार और)

हे यहोवा, तू ने मुझे अपने हाथों से उत्पन्न किया है।
तेरे प्रेम से मुझे भरपूर जीवन मिला है।
मैं अब पाप और मृत्यु की जंजीरों में नहीं रहता।
हे यहोवा, तू ने मुझे स्वतंत्र किया, हे यहोवा, तू ने मुझे स्वतंत्र किया है,

केवल आप में ही स्वतंत्रता है।
मेरे पास आप में अनन्त जीवन है।

हम आपके नाम की स्तुति करने के लिए आनन्द मनाते हैं और नृत्य करते हैं
आपके अद्भुत प्यार के लिए।
तूफानों में भी मैं आपके लिए गाऊंगा
आपके अद्भुत प्रेम के लिए, यीशु!

जब मैं तिरस्कृत और अस्वीकृत महसूस करता हूँ,
तेरी प्रेममयी भुजाएँ मुझे घेर लेती हैं, मैं सुरक्षित हूँ।
मैं जानता हूँ , मेरे परमेश्वर, आप हमेशा मुझे प्यार करेंगे
और मैं आपको प्यार करता हूँ, और मैं आपको प्यार करता हूँ।r.

सुझाए गए गीत

- **स्पेनिश**
  - 'डायोस पोडेरोसो'
  - 'डायोस विएने ए मी'
  - 'एल पोडर दे तू अमोर'
- **अंग्रेज़ी**
  - 'सर्वशक्तिमान निर्माता'
  - 'जब परमेश्वर निकट आता है'
  - 'द पावर ऑफ योर लव'
- **अन्य गाने और वीडियो**
  - 'आई सी यू इन एवरीथिंग'

विश्वास वार्ता (एक जीवन, एक विश्व, एक ईश्वर संस्करण)

कार्ड गेम विश्वास वार्ता (https://sar.my/faithtalks) से प्रेरित होकर हमने आपके खेलने के लिए एक कार्ड गेम बनाया है। आप कार्ड को उस वेबपेज पर एक लिंक के रूप में पा सकते हैं जहां आपको यह दस्तावेज़ मिला है। उन्हें प्रिंट करें और उन्हें श्रेणी के अनुसार अलग करें (एक जीवन, एक एक विश्व, एक ईश्वर, और अंत)। कार्डों को नीचे की ओर टेबल पर रखें और प्रतिभागियों को उपयुक्त श्रेणी में से एक कार्ड चुनने दें।

इसका उद्देश्य प्रतिभागियों के बीच बातचीत उत्पन्न करना है।
इस आराधना को समाप्त करने के लिए पीले कार्ड का प्रयोग करें।

(एक जीवन)

1. यूसुफ ने अपने पिता के प्यार को महसूस किया। आप किसके द्वारा प्यार महसूस करते हैं?
2. यूसुफ को अपने पिता से कौन-सा विशेष उपहार मिला? आपको प्राप्त एक विशेष उपहार का नाम बताइए।
3. आपको कब अपने आप से निराशा महसूस हुई?
4. आपके क्या सपने हैं?
5. परमेश्वर ने आपको बनाया है। वह आपकी ताकत और कमजोरियों के बारे में जानता है और वैसे भी आपसे प्यार करता है। यह आप के लिए क्या महत्व रखता है?
6. अपने दोस्तों के साथ आपका रिश्ता कैसा है? आपके परिवार के साथ आपका रिश्ता कैसा है?

(एक विश्व)

1. आपके लिए 'पोतीपर' या 'फिरौन' कौन है? (कोई है जो आपके गुणों और प्रतिभाओं को देखता है और आपको उनका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है)।
2. किस तरह की घटनाएं या चीजें आपको हतोत्साहित करती हैं?
3. कठिनाइयों का सामना करते समय, परमेश्वर के साथ आपका रिश्ता कैसा है?
4. मुश्किलों का सामना करते समय, आप परमेश्वर के करीब कैसे आते हैं?
5. यूसुफ का विशेष गुण या प्रतिभा क्या है? और आपका क्या है?
6. यूसुफ के सामने अकाल एक समस्या थी जिसका उसे समाधान निकालना था। आपके पड़ोस में हल करने के लिए क्या समस्या है?

(एक ईश्वर)

1. क्या ऐसे समय होते हैं जब आप परमेश्वर से छिपना चाहते हैं? क्या ऐसे समय होते हैं जब आप उससे मिलना चाहते हैं?
2. क्या आपको कभी ऐसा लगता है कि परमेश्वर आपसे बात करता है? यदि हां, तो वह आपसे क्या कहता है?

3. क्या आपने कभी अपनी गलतियों को किसी के साथ साझा किया है? आपको यह कैसा लगा?
4. आपको क्यों लगता है कि यूसुफ ने अपने भाइयों को माफ कर दिया? आपको किसे क्षमा करने की आवश्यकता है?
5. आप कब और कहां परमेश्वर के सबसे करीब महसूस करते हैं?
6. यीशु आपके लिए क्या मायने रखता है?

(अंत)

1. इस बातचीत में आपको किस बात से सबसे ज़्यादा मदद मिली?
2. इस बातचीत में आपको किस बात ने सबसे ज्यादा चुनौती दी?
3. इस बातचीत में आपने दूसरों से क्या सीखा?
4. आपको कैसा लगा कि इस बातचीत में परमेश्वर मौजूद था?
5. इस बातचीत में आपको अपने बारे में क्या पता चला?
6. क्या इस बातचीत के बाद आप कुछ करना या बदलना चाहते हैं?

एक जीवन

यूसुफ ने अपने पति के प्यार को महसूस किया। आप किसके द्वारा प्यार महसूस करते हैं?

एक जीवन

यूसुफ को अपने पति से कौन-सा विशेष उपहार मिला? आपको प्राप्त एक विशेष उपहार का नाम बताइए।

एक जीवन

आपको कब अपने आप से निराशा महसूस हुई?

एक जीवन

आपके क्या सपने हैं?

एक जीवन

परमेश्वर ने आपको बनाया है। वह आपकी ताकत और कमजोरियों के बारे में जानता है और वैसे भी आपसे प्यार करता है। यह आप के लिए क्या महत्व रखता है?

एक जीवन

अपने दोस्तों के साथ आपका रिश्ता कैसा है? आपके परिवार के साथ आपका रिश्ता कैसा है?

एक विश्व

आपके लिए 'पोतीपर' या 'फरिौन' कौन है? (कोई है जो आपके गुणों और प्रतिभाओं को देखता है और आपको उनका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है)।

एक विश्व

किस तरह की घटनाएं या चीजें आपको हतोत्साहित करती हैं?

एक विश्व

कठिनाइयों का सामना करते समय, परमेश्वर के साथ आपका रिश्ता कैसा है?

एक विश्व

मुश्किलों का सामना करते समय, आप परमेश्वर के करीब कैसे आते हैं?

एक विश्व

यूसुफ का विशेष गुण या प्रतिभा क्या है? और आपका क्या है?

एक विश्व

यूसुफ के सामने अकाल एक समस्या थी जिसका उसे समाधान निकालना था। आपके पड़ोस में हल करने के लिए क्या समस्या है?

एक ईश्वर

क्या ऐसे समय होते हैं जब आप परमेश्वर से छिपना चाहते हैं? क्या ऐसे समय होते हैं जब आप उससे मिलना चाहते हैं?

एक ईश्वर

क्या आपको कभी ऐसा लगता है कि परमेश्वर आपसे बात करता है? यदि हां, तो वह आपसे क्या कहता है?

एक ईश्वर

क्या आपने कभी अपनी गलतियों को किसी के साथ साझा किया है? आपको यह कैसा लगा?

एक ईश्वर

आपको क्यों लगता है कि यूसुफ ने अपने भाइयों को माफ कर दिया? आपको किसे क्षमा करने की आवश्यकता है?

एक ईश्वर

आप कब और कहां परमेश्वर के सबसे करीब महसूस करते हैं?

एक ईश्वर

यीशु आपके लिए क्या मायने रखता है?

अंत

इस बातचीत में आपको किस बात से सबसे ज़्यादा मदद मिली?

अंत

इस बातचीत में आपको किस बात ने सबसे ज़्यादा चुनौती दी?

अंत

इस बातचीत में आपने दूसरों से क्या सीखा?

अंत

आपको कैसा लगा कि इस बातचीत में परमेश्वर मौजूद था?

अंत

इस बातचीत में आपको अपने बारे में क्या पता चला?

अंत

क्या इस बातचीत के बाद आप कुछ करना या बदलना चाहते हैं?